मणिद्वीप वर्णनम्

महाशक्ति मणिद्वीप निवासिनी
मुल्लोकालकु मूलप्रकाशिनी ।
मणिद्वीपमुलो मंत्ररूपिणी
मन मनसुललो कॊलुवैयुन्दी ॥ 1 ॥

सुगन्ध पुष्पालॆन्नो वेलु
अनन्त सुन्दर सुवर्ण पूलु ।
अचन्चलंबगु मनॊ सुखालु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 2 ॥

लक्षल लक्षल लावण्यालु
अक्षर लक्षल वाक्संपदलु ।
लक्षल लक्षल लक्ष्मीपतुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 3 ॥

पारिजातवन सौगन्धालु
सूराधिनाधुल सत्सन्गालु ।
गान्धर्वादुल गानस्वरालु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 4 ॥

पद्मरागमुलु सुवर्णमणुलु
पदि आमडलु पॊडवुन गलवु ।
मधुर मधुरमगु चन्दनसुधलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 5 ॥

अरुवदि नालुगु कळामतल्लुलु
वरालनॊसगे पदारु शकुलु ।
परिवारमुतो पन्चब्रह्मलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 6 ॥

अष्टसिद्धुलु नवनवनिधुलु
अष्टदिक्कुलु दिक्पालकुलु ।
सृष्टिकर्तलु सुरलोकालु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 7 ॥

कॊटिसूर्युल प्रचन्ड कान्तुलु
कॊटिचन्द्रुल चल्लनि वॆलुगुलु ।
कॊटितारकल वॆलुगु जिलुगुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 8 ॥

भुवनॆश्वरि सन्कल्पमॆ जनिन्चे मणिद्वीपम् ।
दॆव दॆवुल निवासं अदियॆ कैवल्यम् ॥

कन्चु गॊडल प्राकारालु
रागि गॊडल चतुरसालु ।
ऎडामडल रत्नरासुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 9 ॥

पन्चामृतमय सरॊवरालु
पन्चलोहमय प्राकारालु ।
प्रपन्चमॆलॆ प्रजाधिपतुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 10 ॥

इन्द्रनीलमणि आभरणालु
वज्रपुकॊटलु वैढूर्यालु ।
पुष्परागमणि प्राकारालु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 11 ॥

सप्तकॊटि घनमन्त्र विद्यलु
सर्वशुभप्रद इच्छाशक्तुलु ।
श्री गायत्री ज्ञानशक्तुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 12 ॥

भुवनेश्वरि सन्कल्पमॆ जनिन्चॆ मणिद्वीपम् ।
दॆव दॆवुल निवासं अदियॆ कैवल्यम् ॥

मिलमिललाडॆ मृत्यपुरासुलु
तलतललाडॆ चन्द्रकान्तुलु ।
वुद्युल्लतलु मरकतमणुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 13 ॥

कुबॆर इन्द्र वरुण दॆवुलु
शुभाल नॊसगॆ अग्निवायुवुलु ।
भूमि गणपति परिवारमुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 14 ॥

भक्ति ज़ान वैराग्य सिद्धुलु
पन्चभूतमुलु पन्चशक्तुलु ।
सप्त ऋषुलु नव ग्रहालु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 15 ॥

कस्तूरी मल्लिक कुन्दवनालु
सूर्यकान्ति शिल महागृहालु ।
आरु ऋतुवुलु चतुर्वॆदालु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 16 ॥

मन्त्रिणी दन्डिनी शक्ति सॆनुलु
काळिकराळि सॆनापतुलु ।
मुप्पदि रॆन्डु महाशक्तुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 17 ॥

सुवर्ण रजित सुन्दरगिरुलु
अनन्गदॆवि परिचारकुलु ।
गॊमॆधिकमणि निर्मतगुहलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 18 ॥

सप्तसमुद्रमुलनन्त निधुलु
यक्षकिन्नॆर किंपुरुषादुलु ।
नानाजगमुलु नदीनदमुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 19 ॥

मानव माधव देवगणमुलु
कामधॆनुवु कल्पतरुवुलु ।
सृष्टि स्थितिलय कारणमूर्तुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 20 ॥

कॊटि प्रक्रतुलु सौन्दर्यालु
सकल वॆदमुलु उपनिषतुलु ।
पदहारु रॆकुलु पद्मशक्तुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 21 ॥

दिव्यफलमुलु दिव्यास्त्रमुलु
दिव्य पुरुषालु धीरमातलु ।
दिव्यजगमुलु दिव्यशक्तुलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 22 ॥

श्री विघ्नेश्वर कुमार स्वामुलु
ज्ञानमुक्ति ऐकान्त भवनमुलु ।
मणिनिर्मितमगु मन्डपालु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 23 ॥

भुवनॆश्वरि सन्कल्पमॆ जनिन्चे मणिद्वीपम् ।
दॆव दॆवुल निवासं अदियॆ कैवल्यम् ॥

चिन्तामणुलु नवरत्नालु
नूरामडलु वज्रपुरासुलु ।
वसन्तवनमुलु गरुडपच्छलु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 24 ॥

దుఃఖము తెలియని దేవీసేనలు
नटनाव्यालु सन्गीतालु ।
धनकनकालु पुरुषार्धालु
मणिद्वीपानिकि महानिधुलु ॥ 25 ॥

पदुनाल्गु लॊकालन्निटि पैन
सर्वलॊकमनु लॊकमु कलदु ।
सर्व लॊकमॆ ई मणिद्वीपं
सर्वेश्वरकदि शाश्वत स्थानम् ॥ 26 ॥

चिन्तामणुलु मन्दिरमन्दु
पन्चब्रह्मल मन्चमुपैन ।
महादॆवुडु भुवनेश्वरितो
निवसिस्ताडु मणिद्वीपमुलो ॥ 27 ॥

भुवनॆश्वरि सन्कल्पमॆ जनिन्चे मणिद्वीपम् ।
दॆव दॆवुल निवासं अदियॆ कैवल्यम् ॥

मणिगणखचित आभरणालु
चिन्तामणि परमेश्वरिदाल्चि ।
सौन्दर्यानिकि सौन्दर्यमुगा
अगुपडुतुन्दि मणिद्वीपमुलो ॥ 28 ॥

परदॆवतनु नित्यमुकॊलिचि
मनसर्पिन्चि अर्चिन्चिनचो ।
अपारधनमु संपदलिच्चि
मणिद्वीपेश्वरी दीविस्तुन्दि ॥ 29 ॥

नूतन गृहमुलु कट्टिनवारु
मणिद्वीपवर्णन तोम्मिदिसार्लु ।
चदिविनचालु अन्ता शुभमे
अष्टसंपदल तुलतूगेरु ॥ 30 ॥

शिवकवितेश्वरी श्री चक्रेश्वरी
मणिद्वीप वर्णन चदिविन चोट ।
तिष्ट वॆसुकुनि कूर्चुनुनन्ट
कॊटिशुभालु समकूर्चुटकै ॥ 31 ॥

भुवनॆश्वरि सन्कल्पमॆ जनिन्चे मणिद्वीपम् ।
दॆव दॆवुल निवासं अदियॆ कैवल्यम् ॥